पुूना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

SUMMATIVE ASSESSMENT – I [2022-23]					
STUDENT NAME					
DATE		**GRADE**	**V**	**ROLL NO.**	
SUBJECT	**HINDI**	**MARKS**	**60**	**TEACHER'S SIGN**	

GENERAL INSTRUCTION:

All the questions are compulsory questions.
All the parts of the questions must be attempted in one place.

(खंड क)

अपठित गद्द्यांश

1 - निम्नलिखित गद्द्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों उत्तर दीजिये -

दीदी यह प्रभु की आवाज़ थी |वह अपने बिस्तर से उठकर आया था | मुझे अपनी गलती का एहसास हो गया है | मैं आगे से खाने पीने में पूरी सावधानी बरतूँगा | जंक फ़ूड को तो मैं हाथ तक नहीं लगाऊँगा |पौष्टिक खाना खाऊँगा और खूब चबा कर खाऊँगा | जरूरत से ज्यादा कभी नहीं खाऊंगा | दीदी ने प्रभु को गले से लगा लिया | पगले , हम सब गुस्सा भी होते है तो तेरी भलाई के लिए | स्वस्थ रहना ही प्रसन्नता है |जो मजा स्वस्थ रहने में है , वह किसी चीज में नहीं है | इसलिए हमें सोच समझकर पौष्टिक आहार ही लेना चाहिए | आजकल फ़ास्ट फ़ूड का प्रचलन हो गया | आज कल फ़ास्ट फ़ूड का बहुत प्रचलन हो गया है| वह खाने में अच्छे तो लगते है लेकिन शरीर पर बहुत बुरा प्रभाव डालते है | इसलिए हमें लालच न करके पौष्टिक आहार तथा शरीर का सही ख्याल रखते हुए भोजन करना चाहिए | घर का भोजन सबसे उत्तम और अच्छा होता है | हमें बाहर का भोजन सोच समझकर खाना चाहिए जहा पर गंदगी हो वहाँ का खाना बिल्कुल नहीं खाना चाहिए |

प्रश्न 1 अपनी गलती का एहसास किसे हो गया है ?

उत्तर प्रभु को अपनी गलती का एहसास हो गया |

प्रश्न 2 वह आगे से क्या करेगा ?

उत्तर वह आगे से जंक फ़ूड को हाथ नहीं लगाएगा और घर का बना पौष्टिक खाना ही खायेगा |
प्रश्न 3 हमें क्यों सोच समझकर खाना चाहिए ?
उत्तर हमारे बीमार होने का सबसे बड़ा कारण बाहर का खाना जहा पर गंदगी हो वहाँ का खाना बिल्कुल नहीं खाना चाहिए |
प्रश्न 4 प्रभु कैसा खाना खायेगा ?
उत्तर प्रभु घर का बना पौष्टिक खाना खायेगा |
प्रश्न 5 बाहर खाना हमें क्यों नहीं खाना चाहिए ?
उत्तर बाहर का खाना पचने में कठिन होता है और सबसे बड़ा कारण गंदगी जिससे कई बीमारी होने का भी डर होता है जैसे - मोटापा , पीलिया , खून की कमी , पेट दर्द आदि |

|| पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये |

आँखे खोलो , आलस त्यागो ,
हुआ सवेरा अब तो जागो !
सूरज असमान में चमका ,
धरती का है कण कण दमका ,
दिशा दिशा का मिटा अँधेरा,
धरती पर किरणों का डेरा ,
जाग उठा है कोना कोना ,
ठीक नहीं अब इतना सोना ,
आँखे खोलो ,आलस त्यागो ,
हुआ सवेरा अब तो जागो !
प्रश्न 1 सूरज कहा चमका ?
उत्तर सूरज आसमान में चमका
प्रश्न 2 धरती पर किसका डेरा है ?
उत्तर धरती पर किरणों का डेरा है |
प्रश्न 3 पद्द्यांश में क्या त्यागने के लिए कहा गया है ?
उत्तर दिए गए पद्द्यांश में आलस त्यागने के लिए कहा गया है |
प्रश्न 4 सवेरा होने पर क्या होता है ?
उत्तर सभी दिशाओ से अँधेरा मिट जाता है |

प्रश्न 5 आलस कौन करता है ?

उत्तर जो सवेरा होने के बाद भी सो रहा है वही आलस करता है |

(खंड ख)

व्याकरण विभाग

||| दिए गए वाक्यों में से किसी दो क्रिया के प्रकार (सकर्मक /अकर्मक) छाटकर लिखिए -

1 - बच्चे खेल रहे है - सकर्मक

2 - राम बेंच पर बैठा है - सकर्मक

3 - रीता हसती है - अकर्मक

|V दिए गए अनेकार्थी शब्दों के अर्थ लिखिए -

1 अंक - चिंह , संख्या ,गोद 2 पर- पंख ,ऊपर ,बाद किन्तु 3 आम - फल ,सर्वसाधारण ,मामूली

V दिए गए शब्दों के लिंग बदलिए -

1 पिता - माता 2 सेठ - सेठानी 3 राजा - रानी

VI दिए गए शब्दों के वचन बदलिए -

1 चूहा - चूहे (बहुवचन) 2 आँखे - आँख (एकवचन) 3 पंखा - पंखे (बहुवचन)

VII दिए गए शब्दों में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग करिए -

1 अज्ञान - अ उपसर्ग है और ज्ञान मूल शब्द है.

2 लापरवाह - ला उपसर्ग है और परवाह मूल शब्द है .

3 सफल - स उपसर्ग है और फल मूल शब्द है .

VIII दिए गए शब्दों में से प्रतत्य और मूल शब्द अलग करिए -

1 पाठक - अंक प्रत्यय है और पाठ मूल शब्द है .

2 चटनी - नी प्रत्यय है और चाट मूल शब्द है .

3 फलवाला - वाला प्रत्यय है और फल मूल शब्द है

IX दिए गए संज्ञा शब्दों को उनके अनुसार अलग करिए -

राम, पशु, हँसना, मिठास, बकरी, गोवा

व्यक्तिवाचक	जातिवाचक	भाववाचक
राम	पशु	हँसना
गोवा	बकरी	मिठास

(खंड ग)

पाठ्य पुस्तक

निम्नलिखित बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर दीजिये -

1. तिब्बत का मंत्री किससे हार गया ?

(क) लड़का से (ख) लड़की से (ग) किसी से भी नहीं

उत्तर- लड़की से

प्रश्न 2 कौन बोल नहीं सकता था ?

(क) राम (ख) रमेश (ग) रतन

उत्तर - रतन

3 ताड़का कौन थी ?

(क) देवी (ख) राक्षसी (ग) सीमा

उत्तर राक्षसी

4 केशव की उम्र क्या थी

(क) दस (ख) बारह (ग) तेरह

उत्तर दस साल का है |

5 रतन बच्चों के साथ क्या करता था ?

(क) पढता था (ख) खेलता था (ग) रोता था

उत्तर खेलता था |

II अति लघु प्रश्नों के उत्तर दीजिये -

प्रश्न 1 इला को काशिदारी की प्रेरणा किससे मिली ? उत्तर माँ और दादी को काशिदारी करते देख इला का भी मन इस कला को सिखने को हुआ और कुछ ही समय बाद इला इस काम में पारंगत हो चुकी थी |

प्रश्न 2 कंवरसिंह डाकघर में किस पद पर कार्य कर रहे थे ?

उत्तर पोस्टमैन प्रश्न 3 चिट्ठियों के लिफाफे पर शहर के नाम के बाद क्या लिखा जाता है ?

उत्तर पिनकोड

प्रश्न 4 हुमर कबूतर सामान्य रूप से कितने वर्ष जीते है ?

उत्तर हुमर कबूतर 15 - 20 वर्ष जीते है |

प्रश्न 5 कुम्मी ने किस दिन की घटना अपनी डायरी में लिखा था ?

उत्तर कुम्मी ने 17 मई सन 2155 की रात में लिखा था |

प्रश्न 6 इला सचानी कहा रहती थी ?

उत्तर इला गुजरात के सूरत जिले में रहती थी |

III निम्नलिखित लघु प्रश्नों के उत्तर लिखो -

प्रश्न 1 पहली पहेली को लड़की ने कैसे हल किया ?

उत्तर पहली पहेली को लड़की ने अपनी समझदारी और सुझबुझ से हल किया |

प्रश्न 2 फसलों से जुड़े त्यौहार किस समय मनाये जाते है ?

उत्तर **पोंगल, बिहू, लोहड़ी, खिचड़ी, मकर संक्रांति जैसे त्योहार इस मौसम में तैयार होने वाली अच्छी फसल की खुशी में मनाए जाते हैं। फसल से जुड़े बाकी सारे ...**

प्रश्न 3 बालक कौन से खिलौने खरीदना चाहता है ?

उत्तर बालक तीर कमान खरीदना चाहता है |

प्रश्न 4 बादशाह केशव से क्या सीखना चाहते थे ?

उत्तर बादशाह केशव से नक्काशी सीखना चाहते थे |

प्रश्न 5 पिनकोड किसे कहते है ?

उत्तर पिन कोड, पोस्टल इंडेक्स नंबर (पिन) का संक्षिप्त नाम है। यह छह अंकों का विशेष कोड है, जो भारत में डाक वितरण करने वाले सभी डाकघरों को आवंटित किया जाता है। एक कोड केवल एक ही डाकघर से संबंधित होता है। अगर पत्र या किसी डाक में पते के साथ पिन कोड लिखा होता है, तो उसका सही गंतव्य तक जल्दी पहुंचना सुनिक्षित हो जाता है।

प्रश्न 6 मशीनी अध्यापक कैसे होते होंगे ?

उत्तर मशीनी अध्यापक बहुत ही बोरिंग होते होंगे |

प्रश्न 7 रतन की माँ को कवि ने बेबस क्यों कहा ?

उत्तर कविता में रतन की माँ को कवि ने बेबस इसलिए कहा है, क्योंकि रतन एक

विकलांग बालक था, जो बोल नहीं पाता कारण। कभी-कभी रतन की बातों को उसकी माँ भी ठीक से समझ नही पाती थी, और इस कारण रतन की माँ अपने बालक के सामने स्वयं को बेबस पाती थी।

प्रश्न 4 दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

प्रश्न 1 झारखंड में सरहुल का त्यौहार कैसे मनाया जाता है ?

उत्तर झारखंड के सभी आदिवासी चैत्र माह की अमावस्या के 3 दिन बाद अपना नया साल " सरहुल पर्व " के रूप में मनाते हैं।

प्रश्न 2 मकर संक्राति के दिन लोग क्या कहते है ?

उत्तर सभी घरों में इस दिन खिचड़ी बनाई जाती है और इसे घी एवं गुड़ के साथ खाया जाता है। इस दिन खिचड़ी एवं काली दाल, तिल आदि का दान भी किया जाता है।

प्रश्न 3 हरकारों को किस बात का डर बना रहता था ?

उत्तर हरकारों का काम हर जगह जा जाकर डाक पहुँचाना था। उन्हें यह काम पैदल चलकर जगह-जगह पहुँचकर करना होता था। इसके साथ ही उनके पास जो डाक सामग्री होती थी, उसकी भी उन्हें रक्षा करनी होती थी।

(खंड ग)

लेखन विभाग

प्रश्न 5 अनुच्छेद लिखिए – **मेरी मां पर अनुच्छेद**

मेरी मां बहुत प्यारी हैं । वे रोज सुबह घर में सबसे पहले उठ जाती हैं । भगवान से लेकर घर के सब लोगों का ध्यान मेरी मां ही रखती हैं । वे दादा-दादी का पूरा ध्यान रखती हैं । पापा, मेरी और मेरी छोटी बहन की हर एक छोटी बड़ी बातों की परवाह भी मेरी मां करती हैं । दादी कहती हैं कि मेरी मां घर की लक्ष्मी हैं । मैं भी मां को भगवान के समान मानता हूँ और उनकी हर बात मानता हूँ ।

मेरी मां जॉब भी करती हैं । घर और ऑफिस दोनों की जिम्मेदारी वै बहुत ही अच्छे से निभाती हैं । उनके सरल और सुलझे व्यवहार की तारीफ उनके ऑफिस के सारे लोग करते हैं । मेरी मां गरीबों और बीमारों की भी हर संभव मदद करती हैं । मेरी मां मेरी सबसे अच्छी दोस्त हैं । मैं जब कोई गलती करता हूँ तब मां मुझे डांटती नहीं हैं बल्कि प्यार से मुझे समझाती हैं । जब मैं दुखी होता हूँ तब मेरी मां ही मेरे मुरझाए चेहरे पर मुस्कराहट लेकर आती हैं । उनके प्यार और ममतामयी स्पर्श को पाकर मैं अपने सारे दुख भूल जाता हूँ । मेरी मां ममता की देवी समान हैं । वे मुझे और मेरी बहन को हमेशा अच्छी-अच्छी बातें बताती हैं । मेरी मां मेरी आदर्श हैं । वे मुझे सच के रास्ते पर चलने का सीख देती हैं । समय का महत्व बताती हैं । कहते हैं मां ईश्वर के द्वारा हमें दिया गया एक वरदान है । जिसकी आंचल की छांव में हम अपने आप को सुरक्षित महसूस करते हैं और अपने सारे गम भूल जाते हैं । मैं अपनी मां को बहुत प्यार करता हूँ और भगवान को धन्यवाद देता हूँ कि उन्होने मुझे दुनिया की सबरसे अच्छी मां दी ।

रक्षा-बंधन पर अनुच्छेद

हार्दिक-मिलन भाव को प्रकट करने वाले त्योहारों में रक्षा-बंधन का त्योहार एक प्रमुख और आकर्षक त्योहार है । यह त्योहार प्राचीनतम त्योहारों में से एक है और नवीन त्योहार में भी अत्यन्त नवीन है । यह मंगल अभिनिवेश का त्योहार है और प्रेम तथा सौहार्द्र का सूचक भी है । अतएव रक्षा-बंधन का त्योहार पवित्रता और उल्लास का त्योहार है । रक्षा-बंधन का त्योहार हमारे देश में एक छोर से दूसरी छोर तक बड़ी धूम-धाम से मनाया जाता है । यह त्योहार न केवल हिन्दुओं का ही त्योहार है, अपितु हिन्दुओं की देखा-देखी अन्य जातियों व वर्गों ने भी इस त्योहार को अपनाना शुरू कर दिया है ।

ऐसा इसलिए कि यह त्योहार धर्म और सम्बन्ध की दृष्टि से अत्यन्त पुष्ट और महान् त्योहार है । धर्म की दृष्टि से यह गुरु-शिष्य के परस्पर नियम-सिद्धांतों सहित उनके परस्पर धर्म को प्रतिपादित करने वाला है । सम्बन्ध की दृष्टि से यह त्योहार भाई-बहन के परस्पर सम्बन्धों की गहराई को प्रकट करने वाला एक दिव्य और श्रेष्ठ त्योहार है । अतएव रक्षा-बंधन का त्योहार एक महान् उच्च और श्रेष्ठ त्योहार ठहरता है । रक्षा-बंधन का त्योहार भारतीय त्योहारों में एक प्राचीन त्योहार है । इस दिन बहन भ्राई के लिए मंगल कामना करती हुई उसे राखी (रक्षा-सूत्र) बांधती है । भाई उसे हर स्थिति से रक्षा करने का वचन देता है । इस प्रकार रक्षा-बंधन भाई-बहन के पावन-स्नेह का त्योहार है । इसी पवित्र विचारधारा से प्रभावित होकर श्रद्धालु ब्राह्मणों की प्रतिष्ठा करते हैं और उन्हें भगवान के रूप में अपनी श्रद्धा-भावना भेंट करते हैं । ऐतिहासिक दृष्टिकोण से इस त्योहार का आरम्भ मध्यकालीन भारतीय इतिहास के उस पृष्ठ से स्वीकार किया जाता है । यह मुगलकालीन शासन-काल से सम्बन्धित है । इसके अनुसार जब गुजरात के शासक बहादुरशाह ने चित्तौड़ पर आक्रमण कर दिया । तब सुरक्षा का ओर कोई रास्ता न देखकर महारानी कर्मवती अपने पर आई हुई इस आकस्मिक आपदा से आत्मरक्षा की बात सोचकर दुःखी हो गई । उसने और कोई उपाय न देखकर हुमायूँ के पास रक्षा-बंधन का सूत्र भेजा और अपनी सुरक्षा के लिए उसे भाई कहते हुए सादर प्रार्थना की । बादशाह हुमायूँ इससे बहुत ही प्रभावित हुआ । इस प्रेम से भरे हुए रक्षा-सूत्र को हृदय से स्वीकार करते हुए वह चित्तौड़ की सुरक्षा के लिए बहुत बड़ी सेना लेकर बहन कर्मवती के पास पहुँच गया । आज रक्षा-बंधन का त्योहार समस्त भारत में बहुत खुशी और स्नेह भावना के साथ प्रतिवर्ष वर्षा ऋतु में श्रवण माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है ।

प्रश्न 6 दो दिन के अवकाश के लिए प्रधानाचार्य

दिनांक : 13-3-2021

अहमदाबाद
प्रधानाचार्य
पूना इंटरनेशनल स्कूल

विषय- दो दिन के अवकाश हेतु आवेदन पत्र।

महोदय,

मैं आपके विद्यालय का कक्षा ग्यारहवीं का छात्र हूं। अत्यंत खेद सहित मैं आपको बताना चाहता हूं कि जब मैं कल विद्यालय से लौट रहा था तब अचानक हुई बारिश में भीगने के कारण मुझे ज्वर आ गया। चिकित्सक ने मुझे दवा लेने के साथ-साथ दो दिन की आराम की सलाह दी है। अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि आप मुझे दो दिन की अवकाश देने की कृपा करें। इस कृपा के लिए मैं आपका आभारी रहूंगा। आपका आज्ञाकारी शिष्य

कमल
कक्षा- ग्यारहवीं

अपने मित्र से फ़ोन पर बाजार से खिलौने लेने हेतु बातचित करते हेतु संवाद -

मित्र 1 : हेलो राम कैसे हो ,क्या तुम आज मेरे साथ न्यू सी जी रोड चलोगे ?

मित्र 2 : सोनू हाँ पर क्या काम है |

मित्र 1 : सच्च में , मैंने दो दिन पहले वहाँ के खिलौने वाली दुकान में रिमोट कंट्रोल वाली कार देखी थी वाही लेने चलना है |

मित्र 2 : अरे वाह क्या तुम्हे उस कार की कीमत पता है |

मित्र 1 : नहीं मुझे नहीं पता पर मैंने दो हज़ार रूपये लिए है **|**

मित्र 2 : कब चलना है |

मित्र 1 : शाम के चार बजे तुम अपनी साईकिल से मेरे घर आ जाना |

मित्र 2 : कौन से रंग की कार लोगे |

मित्र 1 : मुझे नीला रंग पसंद है तो मैं नीली कार ही खरीदूंगा |

मित्र 2 : मुझे लगता है तुम्हे लाल रंग की ही कार लेनी चाहिए **|**

मित्र 1 : और हाँ कार खरीदने के बाद हम दोनों समोसे भी खायेंगे |

मित्र 2 : अरे वाह , क्या तुम मुझे अपनी इस कार से मुझे खेलने दोगे |

मित्र 1 : हाँ बिलकुल आखिर तुम मेरे मित्र हो |